P372

इंदौर, मंगलवार 10 फरवरी 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 90
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

मध्यप्रदेश में महंगी होगी शराब!

पेज-2

इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती- जोया

पेज-5

एमवाय में डिजिटल पेमेंट की सुविधा शुरू

पेज-6

सालभर की मेहनत का आज शुरू हुआ इम्तिहान

इंदौर ● आज से बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ हो गई। इंदौर के एक परीक्षा केन्द्र में परीक्षार्थी पेपर हल करते हुए।

इंदौर में 28 परीक्षा केंद्रों में

पहली बार मंडल ने लगवाए सीसीटीवी कैमरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 10वीं और 12वीं की माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं कड़ी डिजिटल निगरानी में आयोजित की जा रही हैं। नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस बार सीसीटीवी कैमरों और आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं आज से शुरू हुई।

संवेदनशील केंद्रों पर लाइव मॉनिटरिंग : प्रदेश के लगभग 226 अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों को सीधे राज्य और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है, जहां से हर गतिविधि की लाइव निगरानी की जा रही है। इसमें इंदौर के 28 परीक्षा केंद्र शामिल है, जहां सीसीटीवी कैमरे मंडल ने लगाए है।

छात्रों की सामग्री रखने के लिए पेटी रखना होगी : छात्रों की सुविधा के लिए इस बार केंद्रों पर ऑनेस्टी बॉक्स भी रखने के निर्देश मंडल ने दिए है। जिनमें वे तलाशी से पहले अनजाने में लाई गई कोई भी अनुचित सामग्री स्वेच्छा से डाल सकते हैं ताकि उन पर कोई कानूनी कार्रवाई न हो। साथ ही छात्र कोई बैग, बॉटल या मोबाइल लाते है तो इन सामग्रीयों को रखने के लिए अलग से कक्ष बनाने को भी कहा गया है। उनकी निगरानी के लिए एक शिक्षक की ड्यूटी लगाने को भी कहा गया है।

झुका पाक, आईसीसी का दबाव आया काम, भारत से खेलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी) ● टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। पाकिस्तान सरकार ने सोमवार रात अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। पोस्ट में बताया गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने फोन कर भारत के खिलाफ मैच खेलने की अपील की थी। इसके अलावा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से मुकाबला खेलने की सिफारिश की थी।

दरअसल, बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने के विरोध में पाकिस्तान ने 1 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का ऐलान किया था। हालांकि उसने टूर्नामेंट के बाकी मुकाबले खेलने पर सहमति जता दी थी।

पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायके के बीच फोन पर बातचीत हुई। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने श्रीलंका में प्रस्तावित भारत-पाक मैच खेलने का अनुरोध किया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा कि आतंकवाद के मुश्किल दौर में पाकिस्तान ने श्रीलंकाई क्रिकेट का पूरा समर्थन किया था। उन्होंने उसी भावना से पाकिस्तान से सहयोग की अपील की।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति की भावनाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों से चर्चा के बाद अंतिम फैसला श्रीलंका को बता दिया जाएगा। पीएम ने कहा कि मुश्किल समय में श्रीलंका पाकिस्तान के साथ मजबूती से खड़ा रहा। हाल ही में श्रीलंका टीम ने पाकिस्तान दौरा रद्द न कर अहम सहयोग दिखाया। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पीएम को भारत-पाक मैच पर हुई हालिया बैठकों की जानकारी दी। इन बैठकों में आईसीसी और बीसीबी के प्रतिनिधि भी शामिल थे। पाकिस्तान सरकार ने बीसीबी के औपचारिक अनुरोध और श्रीलंका, यूएई सहित अन्य देशों के समर्थन पर विचार किया। इन देशों ने समाधान में पाकिस्तान से नेतृत्व की भूमिका निभाने को कहा था। बहुपक्षीय चर्चाओं और मित्र देशों के अनुरोधों को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने बड़ा फैसला लिया। पाकिस्तान टीम 15 फरवरी 2026 को आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप मैच खेलेगी।

मोहन सरकार विधानसभा में मैनेजमेंट के लिए बनाएगी नया पद

क्या विजयवर्गीय का कद कम करने की तैयारी है?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की मोहन सरकार संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कद कम करने की तैयारी में है। दरअसल, बीजेपी विधानसभा में मुख्य सचेतक का पद भरने जा रही है, जो सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन और दलीय अनुशासन के लिए काफी अहम माना जाता है। इस पद पर नियुक्ति के साथ ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया जाएगा, जिसके चलते यह नियुक्ति और भी अहम हो गई है।

सदन की कार्यवाही ठीक तरीके से चले इसकी जिम्मेदारी संसदीय कार्यमंत्री की होती है। इंदौर के भागीरथपुरा दूषित जलकांड के बाद से कैलाश विजयवर्गीय सत्ता और संगठन के कामों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। 16 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र में यदि कैलाश विजयवर्गीय दिलचस्पी नहीं लेंगे तो सदन का फ्लोर मैनेजमेंट बिगड़ सकता है। विपक्ष आक्रामक हो सकता है। इस पद के लिए पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी विधायकों के नाम पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस दौड़ में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा, पूर्व मंत्री अजय विश्नोई के नाम चर्चा में हैं। हालांकि, विधायक दल के कोषाध्यक्ष के लिए भी विश्नोई के नाम की चर्चा है।

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष लेंगे आखिरी फैसला

ये दोनों ही बीजेपी के कद्दावर नेता हैं और सदन की कार्यवाही का लंबा अनुभव रखते हैं, लेकिन इन्हें डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली थी। अब पार्टी इनमें से किसी एक को मुख्य सचेतक की बड़ी जिम्मेदारी सौंपकर उन्हें सरकार में एक महत्वपूर्ण भूमिका देने की योजना बना रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में सदन के भीतर फ्लोर मैनेजमेंट की पूरी जिम्मेदारी संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कंधों पर है। अब मुख्य सचेतक की नियुक्ति करके उनके कार्यभार को बांटा जाएगा, जिससे सरकार सदन में और अधिक मजबूती के साथ अपना पक्ष रख सकेगी। इस नियुक्ति पर अंतिम मुहर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच विचार-विमर्श के बाद ही लगेगी।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली में साइबर धोखाधड़ी पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करेंगे अमित शाह
- असम के पर्यवेक्षकों के साथ आज शाम पांच बजे बैठक करेंगी प्रियंका गांधी
- ईडी के सामने नहीं पेश हुईं टीना अंबानी, अब नया समन भेजेगी जांच एजेंसी
- बिहार : बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार विधानसभा पहुंचेंगे नितिन नवीन
- कांग्रेस ने 8 राज्यों के प्रभारियों, पीसीसी अध्यक्षों और सीएलपी नेताओं की बुलाई बैठक, संगठनात्मक मुद्दों पर होगी चर्चा
- कनाडा के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर तुरंत बातचीत शुरू करेगा अमेरिका, बोले डोनाल्ड ट्रंप
- हर रोज बुनियादी ढांचे पर हमले कर रहा है रूस : जेलेंस्की
- कंगना रनौत मानहानि केस : पासपोर्ट सरेंडर याचिका पर बचाव पक्ष का जवाब, आज होगी सुनवाई
- असम में वोटर लिस्ट का स्पेशल रिविजन, आज जारी होगी अंतिम सूची

संघ के कार्यक्रम में लगा बॉलीवुड के सितारों का जमघट

नई दिल्ली (एजेंसी) ● मुंबई के आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दो दिवसीय शताब्दी समारोह बॉलीवुड के गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस कार्यक्रम में पहले दिन बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स ने हिस्सा लिया, तो वहीं रविवार को दूसरे दिन विक्की कौशल और अनन्या पांडे जैसी युवा हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिला।

संघ के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में न केवल एंटरटेनमेंट जगत की बड़ी हस्तियों ने शिरकत की, बल्कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की स्पीच को भी ध्यान से सुना। कार्यक्रम के दूसरे दिन विक्की कौशल बिल्कुल पारंपरिक अंदाज में नजर आए। कुर्ता-पायजामा पहने विक्की ने अपनी आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' का मूंछों वाला लुक भी फ्लॉन्ट किया। वहीं, अनन्या पांडे भी एथनिक लुक में बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लग रही थीं। अनन्या को फिल्ममेकर करण जौहर और मधुर भंडारकर के साथ कार्यक्रम का लुत्फ उठाते देखा गया। इसी दौरान शिल्पा शेट्टी भी ऑरेंज इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में नजर आईं। इन सभी के अलावा अक्षय कुमार, फिल्ममेकर सुभाष घई, मधुर भंडारकर, रवीना टंडन और जैकी श्रॉफ समेत कई और सितारे शामिल हुए। वहीं पाकिस्तान छोड़ भारत की नागरिकता लेने वाले सिंगर अदनान सामी ने सोशल मीडिया पर मोहन भागवत के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर की। इन फोटो में उनके साथ शिल्पा शेट्टी, रूपाली गांगुली और रमेश तौरानी भी नजर आ रहे हैं। अपनी पोस्ट में सिंगर ने लिखा, 'आरएसएस के लेजेंडरी सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ एक शानदार दोपहर बिताई।

संतुष्ट करने की कवायद — हारे हुए नेताओं को जिलों का प्रभार देकर किया एडजस्ट

निगम-मंडल की दौड़ से बाहर हुए 62 नेता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर काम कर ही है। इसी कड़ी में पार्टी ने संगठनात्मक नियुक्तियां करते हुए 62 जिला प्रभारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश के बड़े और प्रभावशाली जिलों की कमान संभाग के बाहर के नेता को दी गई है। इसी नियुक्ति के सहारे भाजपा ने जहां संगठन का धार देने की कोशिश की है, वहीं निगम-मंडल और प्राधिकरणों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों की कतार में लगे नेताओं की भीड़ को कम किया है। यानी पार्टी ने जिन 62 नेताओं को जिला प्रभारी बनाया है, वे निगम-मंडल की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

गौरतलब है कि जिला प्रभारियों की जो सूची जारी की गई है उसकी सबसे बड़ी बात ये है कि इसमें पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद से लेकर मौजूदा विधायक और कई दिग्गज नेताओं को जिलों की कमान सौंपी गई है। इनमें कुछ नाम तो ऐसे हैं जो राजनीतिक नियुक्तियों की दौड़ में शामिल थे। कुछ चुनाव हारे हुए नेताओं को भी प्रभार देकर संगठन में एडजस्ट किया है। पार्टी ने 10 प्रतिशत यानी 6 जिलों का प्रभार महिला नेताओं को सौंपा है। अर्चना सिंह को दमोह, नंदिता पाठक को मैहर, मनीषा सिंह को जबलपुर ग्रामीण, राजो मालवीय को रायसेन, संगीता सोनी को खरगौन और बबीता परमार को उज्जैन ग्रामीण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संगठन महामंत्री के लिए करना होगा इंतजार

उधर मप्र में यह पहला मौका है, जब भाजपा संगठन महामंत्री पद को लेकर सस्पेंस की स्थिति बनी। नई नियुक्ति के बिना ही वर्तमान पदाधिकारी का दायित्व बदल दिया गया। इसके पहले भी बदलाव के पहले सह संगठन महामंत्री की व्यवस्था रही है। फिलहाल क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के हाथ कमान सौंपी गई है। वहीं संभाग प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में अजय जमवाल ने संकेत दिए हैं कि एक से डेढ़ महीने में मप्र भाजपा को नया संगठन महामंत्री मिल जाएगा। सत्ता-संगठन की निगाहें मार्च में होने वाली संघ की अभा प्रतिनिधि सभा बैठक पर लगी हैं। जानकारों का दावा है कि प्रचारकों की कमी को देखते हुए नई नियुक्ति के आसार कम हैं। इसलिए मप्र में यथास्थिति बनी रह सकती है। कुछ नामों की अटकलें हैं। इनमें भीखू भाई के अलावा मिथिलेश माहेश्वरी, विमल गुप्ता, अनिल अग्रवाल और राजमोहन सिंह अन्य शामिल हैं। मप्र के अलावा देश में महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्य हैं, जहां संगठन महामंत्री के बिना ही व्यवस्थाएं चल रही हैं। संघ ने इन राज्यों में भी पद खाली होने के बाद किसी नए प्रचारक की नियुक्ति नहीं की। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश लगातार इन सभी राज्यों की सांगठनिक मॉनिटरिंग कर रहे हैं।पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि आरएसएस ने कोई निर्णय लिया है तो उसकी जानकारी प्रतिनिधि सभा में मिलेगी। तब तक जमवाल ही मप्र में पूर्व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की भूमिका में रहेंगे। बैठक में खंडेलवाल ने भी कहा कि पार्टी को अजय जमवाल जी का मार्गदर्शन मिलता रहेगा। इस बैठक के बाद खंडेलवाल और जमवाल की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ भी बैठक हुई।

चंदन नगर-कालानी नगर सड़क के मास्टर प्लान को शासन से मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चंदन नगर से कालानी नगर तक बनने वाली 18 मीटर चौड़ी नई सड़क को मास्टर प्लान में शामिल करने के प्रस्ताव पर राज्य शासन ने मंजूरी दे दी है। भोपाल में फाइल पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब केवल गजट नोटिफिकेशन जारी होना बाकी है। माना जा रहा है कि एक सप्ताह के भीतर इसकी प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। नगर निगम चार महीने पहले ही इस सड़क के लिए टेंडर जारी कर वर्कऑर्डर दे चुका है। इस सड़क पर 20 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

घने बसाहट वाले चंदन नगर क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए निगम द्वारा पहले ही शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। बैठक में भोपाल से जानकारी मिली कि प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। यह सड़क पश्चिमी रिंग रोड के वैकल्पिक मार्ग के रूप में महत्वपूर्ण है। एयरपोर्ट रोड स्थित कालानी नगर चौराहे से धार रोड के चंदन नगर चौराहे तक यह सड़क अलग-अलग हिस्सों में बनाई जाएगी। नंदन नगर और नगीन नगर के पास करीब 800 मीटर हिस्से को मास्टर प्लान में शामिल करने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया था।

200 से अधिक बाधक हटाने के बाद शुरू किया जाएगा काम

सड़क निर्माण की जद में 200 से अधिक बाधक आएंगे, जिन्हें हटाने के बाद काम शुरू किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि शासन से मंजूरी मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। यह सड़क मास्टर प्लान की अन्य सड़कों में हुई बचत की राशि से बनाई जा रही है। इसके लिए पहले दावे-आपत्तियां मंगवाई गई थीं। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। पश्चिमी क्षेत्र के लिए यह बहुत उपयोगी साबित होगी।

प्रदेश में महंगी होगी शराब! नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत कीमतों में भारी बढ़ोतरी की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश में शराब एक बार फिर महंगी हो सकती है। एक्साइज पॉलिसी 2026-27 में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल, केंद्र से मिलने वाले टैक्स में कटौती और बढ़ते फाइनेंशियल बर्डन को देखते हुए एमपी सरकार एक्साइज पॉलिसी में चेंज ला सकती है। इसमें शराब दुकानदारों की मोनोपॉली को खत्म करने से लेकर शराब दुकानों की नीलामी की पूरी प्रक्रिया और टैक्स कलेक्शन में बदलाव देखा जा सकता है। मध्य प्रदेश सरकार पर करोड़ों का कर्ज और केंद्रीय करो में हिस्सेदारी कम होने की वजह से इसका पूरा असर प्रदेश में बढ़ते शराब की किमतों के तौर पर देखा जाएगा।

प्रस्तावित नीति – राज्य सरकार ने ऐसा करने के पीछे तीन ठोस कारण बताए हैं। पहला कि यूनियन बजट 2026-27 में कहा गया कि शराब जैसे पेय पदार्थों की बिक्री पर लगने वाले सोर्स पर टीसीएस दर 1 प्रतिशत से 2 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका सीधा असर ग्राहकों पर जाएगा। 1300 रूपए की बोतल अब 50 रूपए और महंगी हो सकती है। ऐसे में खुदरा कीमतों पर सीधी तौर से बढ़ोतरी होगी। दूसरा कि, केंद्र से मिलने वाले टैक्स में कटौती। पहले हिस्सेदारी जहां 7.86% थी वहीं अब 7.34% कर दी गई है। इस कटौती की वजह से प्रदेश के खजाने पर सीधी असर पड़ेगा। तीसरा कारण, प्रदेश में ऐसी कई योजनाएं हैं जिनके कारण सरकार अब कर्ज में है। वरत्मान में सरकार पर 62,300 रूपए करोड़ का कर्ज है। इन तीन कारणों से निपटने के लिए आने वाले समय में शराब की रेट में वृद्धि देखी जा सकती है।

मोनोपॉली खत्म करना-प्रदेश सरकार की इस प्रस्तावित निती राज्य में शराब ठेकेदारों की मोनोपॉली खत्म करने में मदद कर सकती है। भोपाल, उज्जैन, सागर, टीकमगढ़ और मुरैना जैसे जिलों में ठेकेदार एमआरपी से ज्यादा दाम पर सराब बेचते थे। मोनोपॉली के कारण कॉम्पटीशन खत्म था जिसकी वजह से ग्राहकों को मजबूरन महंगी शराब खरीदनी पड़ती थी। कई बार तो महंगी शराब के कराण टार्गेट से कम बिक्री होती थी जिसकी वजह से ठेकेदारों की आत्महत्या करने की खबरें सामने आई हैं, ऐसे में सरकार को राजस्व का भी भारी नुकसान हुआ है।

पार्दर्शिता पर भी जोर-प्रदेश सरकार का मनना है कि इन मॉडल से ना सिर्फ प्रदेश का राजस्व बढ़ेगा बल्कि व्यवस्था में भी पारदर्शिता आएगी और धोखाधड़ी पर भी लगाम लग सकेगा। इसके अलावा प्रदेश में नई दुकानें नहीं खुलेंगी, पवित्र स्थल जैसे उज्जैन, ओंकारेश्वर, मैहर में शराब की दुकान खोलने पर पूरी तरह से भी प्रतिबंध किया गया है। इसके अलावा, 1915 के पुराने आबकारी अधिनियम में भी संसोधन होने की तैयारी है।

न्यूज ब्रीफ

डीआईजी ग्वालीयर अमित सांघी का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट ने अमित सांघी डीआईजी ग्वालीयर के इन्दौर आगमन पर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश मानावत एवं शिक्षक सुनील चौधरी ने शाल श्रीफल एवं विवेकानंदजी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

इंदौर, उज्जैन में सर्वाधिक बिजली कनेक्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा प्राथमिकतानुसार नए कनेक्शन दिए जा रहे है। कैलेंडर वर्ष 2025 में जहां निम्नदाब के पौने दो लाख से ज्यादा नए कनेक्शन दिए गए हैं। अब कंपनी क्षेत्र में घरेलू, गैर घरेलू, औद्योगिक, उच्चदाब, कृषि श्रेणी के कुल 62 लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन हो चुके हैं। सबसे ज्यादा इंदौर जिले में 11 लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन हैं, वहीं उज्जैन जिले में करीब पौने छः लाख बिजली कनेक्शन है। धार जिले में पांच लाख, रतलाम जिले में 4.65 लाख, खरगोन जिले में 4.60 लाख, मंदसौर जिले में 4.55 लाख, देवास जिले में 4.40 लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन हैं। अन्य जिलों में दो लाख से लेकर चार लाख बिजली कनेक्शन हैं। कंपनी क्षेत्र में सबसे ज्यादा बिजली खपत वाला जिला इंदौर हैं। इंदौर जिले में अधिकतम बिजली खपत 1100 मैगावाट तक दर्ज होती है।

इंदौर में पुलिसकर्मी की पत्नी ने की खुदकुशी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में पदस्थ एक पुलिसकर्मी की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। पति सुबह उठे तो उन्होंने अपनी पत्नी का शव फंदे पर लटके देखा। महिला ने आत्महत्या क्यों की, इसकी वजह का पता नहीं चला है। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। शैलेंद्र जादौन इंदौर पीटीएस में प्रधान आरक्षक हैं। वे मूलतः मुरैना के रहने वाले हैं, लेकिन कुछ वर्षों से इंदौर के पीटीएस परिसर में रह रहे थे। उनकी पत्नी स्नेहा जादौन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पता चला है कि आए दिन दोनों के बीच अनबन होती थी, लेकिन मौत की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने स्नेहा का मोबाइल जब्त किया है। कई बार सुसाइड मैसेज रिकॉर्ड भी किया जाता है। पुलिस उसकी जांच कर रही है। सोमवार सुबह पति शैलेंद्र ने पत्नी को फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मामला जांच में ले लिया है।

परिवार को अधिक से अधिक समय दे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सभी सेवानिवृत अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृति के बाद परिवार को अधिक से अधिक समय दे। दूसरी पारी को भी अच्छे से खेले। खूब घूमे – फिरे , एक्टिव रहे और आनंद में रहे, तथा स्वय को फिट रखे। ये विचार विभिन्न अतिथियों ने व्यक्त किए। जो उन्होंने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय, पलासिया पर आयोजित सम्मान समारोह में कहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरीश बोयत प्रांतीय महामंत्री मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, विशिष्ठ अतिथि अनुविभागीय अधिकारी अभयराज दुबे, एस. एन. सोनी, एसडीओ डी. के. नीमा, रमेश यादव, शत्रुध्न कल्याणे थे अध्यक्षता कार्यपालन यंत्री श्री जयदेव गौतम ने की। संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव राजेश गौड़ ने बताया कि समारोह में विभाग के 15 कर्मचारी और अधिकारियों के सेवा निवृति होने पर सम्मान समारोह एवं स्नेह भोज का आयोजन किया गया। सभी का सम्मान शाल, श्रीफल और आकर्षक मोमेंटो प्रदान कर किया गया। अतिथि स्वागत मनोज विश्वकर्मा, मोहम्मद हनीफ, राकेश गौड़ राजेश सिंह, देवेंद्र पवार, चंद्रकांत देशपांडे, जितेंद्र नगर, महेश देशपांडे ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय अठवाल ने किया। आभार माना डी एस झणिया ने। राजेश गौड़ ने आगे बताया कि सेवानिवृत कर्मचारियो एवं अधिकारियो में राजेंद्र महाजन, दीपक गुजराती, अभयराज दुबे, प्रशांत श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार वाणी, श्रीमती शोभा पंवार, गिरधारी सिंह ठाकुर, दीपसिंह झणिया, पुष्कर व्यास, राधेश्याम सिरोन्जा, श्रीमती सन्ध्या मनवानी आदि शामिल हुए।

भाजपा कार्यालय पर कामकाजी बैठक सम्पन्न

राजनीतिक शुचिता के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं से एकत्रित करती है निधि- गोपीकृष्ण नेमा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कल शाम भाजपा कार्यालय पर आजीवन सहयोग निधि को लेकर भाजपा इंदौर नगर की कामकाजी बैठक नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक व समर्पण निधि नगर प्रभारी गोलू शुक्ला, आजीवन सहयोग निधि प्रदेश प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, अनंत पंवार, महामंत्री सुधीर कोल्हे, कैलाश पिपले, महेश कुकरेजा, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, राजेश उदावत्त, अश्विनी शुक्ल की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए आजीवन सहयोग निधि के प्रदेश प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा ने कहा मध्य-प्रदेश भाजपा के पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे ने प्रदेश कार्यालय को चलाने के लिए कार्यकर्ताओं से 100 रुपये की राशि एकत्रित करना सुनिश्चित किया था, जिससे कार्यालय का खर्च चलता था। कैलाश जोशी, सुन्दरलाल पटवा, कैलाश सारंग, राजेंद्र धारकर, नारायणराव धर्म जैसे नेता कार्यकर्ताओं के घर घर जाकर रसीद काटते थे। विपरित परिस्थितियों में संगठन को खड़ा किया तब जाकर आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि राजनीति में शुचिता के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं से समर्पण निधि एकत्रित करती है। केंद्रीय संगठन ने कुछ ही राज्यों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर समर्पण निधि एकत्रित करने की छूट दी है, कई राज्यों में यह व्यवस्था समाप्त कर दी है। राशि एकत्रीकरण पूरी तरह डिजिटल होगा। उन्होंने कहा समर्पण दिवस पर जो कार्यकर्ता बूथों पर जाएंगे वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रसंगों और कार्यों का जिक्र करे, ताकि पंडित जी ने समाज और देश के लिए किए गए कार्य और उनकी छवि लोगों के मानस पटल पर अंकित हो सके।

डॉग्स शेल्टर होम संचालित करेंगी सामाजिक संस्थाएं, निगम ने बुलाए आवेदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवारा डॉग्स के लिए शेल्टर होम बनाए जाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इन शेल्टर होम में तय मानकों के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके संचालन को लेकर नगर निगम के सामने चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने शहर की सामाजिक और अन्य संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस संबंध में निगम की ओर से सूचना जारी की गई है।

संस्थाओं से मांगे गए प्रस्ताव

नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सूचना प्रकाशित कर स्पष्ट किया है कि वे संस्थाएं जो शेल्टर होम का संचालन नियम और कायदों के अनुसार कर सकती हैं, वे अपने प्रस्ताव निगम को भेज सकती हैं। शेल्टर होम के संचालन के लिए केंद्र सरकार की तय गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके लिए निगम सामाजिक संस्थाओं और पशु कल्याण से जुड़ी संस्थाओं का सहयोग ले रहा है।

नसबंदी अभियान भी जारी- नगर निगम की ओर से हैदराबाद की एक फर्म की मदद से आवारा डॉग्स की नसबंदी का अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है। इसके तहत रोज सुबह अलग-अलग क्षेत्रों में टीमें भेजी जा रही हैं, जो सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी का कार्य कर रही हैं।

20 से अधिक स्थानों पर बनेंगे शेल्टर होम-शहर में करीब 20 से अधिक स्थानों पर डॉग्स के लिए शेल्टर होम बनाए जाने की योजना है। ट्रेंचिंग ग्राउंड सहित कई इलाकों में इसके लिए जगह भी चिन्हित की जा चुकी है और कुछ स्थानों पर काम शुरू हो गया है।

भुगतान विवाद के चलते रुका था अभियान-हाल ही में हैदराबाद की फर्म एनिमल फॉर वेलफेयर सोसायटी ने निगम से भुगतान नहीं मिलने के कारण आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान रोक दिया था। करीब 10 से 15 दिनों तक यह अभियान बंद रहा। बाद में निगम से आंशिक भुगतान मिलने के बाद फर्म ने दोबारा काम शुरू कर दिया।

लिंक रोड से बंगाली कॉलोनी-कनाड़िया रोड के बीच कम होगा ट्रैफिक का दबाव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • तिलकनगर क्षेत्र के यातायात को सुगम करने व दबाव करने के लिए नगर निगम द्वारा 18 मीटर चौड़ी लिंक रोड बनाई जा रही है। इससे बंगाली कॉलोनी और कनाड़िया रोड के बीच ट्रैफिक का दबाव कम होगा। अभी श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल तिलक नगर से महावीर नगर तक की सड़क का काम चल रहा है। इसके निर्माण पर दो करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि खर्च हो रही है। इसकी लंबाई 370 मीटर है।

18 मीटर चौड़ी बन रही सड़क

महापौर पुष्य मित्र भार्गव सोमवार को महापौर परिषद के सदस्य राजेश उदावत के साथ इस निर्माणाधीन सड़क का मुआयना करने पहुंचे। मेयर ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, इसलिए इसे तय समयसीमा में पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा ठेकेदार को निर्देशित किया कि ट्रैफिक और नागरिक असुविधा को कम करते हुए तेजी से कार्य पूरा किया जाए।

पिछले साल हटाई थी बाधाएं- तिलक नगर स्थित श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल के आसपास की बाधाओं को पिछले साल हटाया गया था। इस रोड की बाधाएं हटाने का केस 2020 से कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट के आदेश के बाद यह रोड बनना शुरू हुआ है। इस रोड के बनने से रिंग रोड के लिए तिलक नगर और पलासिया से एक और लिंक रोड उपलब्ध हो जाएगी। फिलहाल रिंग रोड से पलासिया या मध्य शहर जाने के लिए कनाड़िया रोड ही एकमात्र विकल्प है। इस रोड पर हमेशा ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है।

इंदौर में डेढ़ लाख पशुओं को लगेंगे टीके, डेटा भी होगा ऑनलाइन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को पारदर्शी बनाने के लिए पशुपालन एवं डेरी विभाग ने नई डिजिटल व्यवस्था लागू की है। इस व्यवस्था के तहत अब टीकाकरण के बाद पशुपालक को ओटीपी बताना होगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सही पशुपालक के सही पशु को ही टीका लगाया गया है। प्रदेशभर में खुरपका मुंहपका रोग (फुट एंड माउथ डिजीज) से बचाव के लिए एफएमडी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इंदौर जिले में यह अभियान 1 जनवरी से शुरू हुआ है, जो 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान जिले में करीब डेढ़ लाख पशुओं को एफएमडी का टीका लगाया जाना है। अभियान को डिजिटल करते हुए विभाग द्वारा हर पशुपालक का आधार नंबर लेकर रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। 15 फरवरी से टीकाकरण के बाद वन टाइम पासवर्ड यानी ओटीपी दर्ज करना अनिवार्य होगा। ओटीपी के माध्यम से यह पुष्टि होगी कि टीकाकरण वास्तविक लाभार्थी के पशु को ही किया गया है। यह पूरा डाटा भारत पशुधन ऐप पर सुरक्षित रूप से दर्ज किया जा रहा है।

नर्मदा और सहायक नदियों में मिल रहा ड्रेनेज का पानी, आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • मां नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने और उसकी धार्मिक मर्यादा की रक्षा को लेकर मप्र कांग्रेस कमेटी धर्म एवं मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ ने सरकार को चेतावनी दी है। मां नर्मदा और सहायक नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की मांग करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की गई है। प्रकोष्ठ से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि नर्मदा मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और गुजरात की भी जीवन रेखा है और करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। शास्त्रों में नर्मदा परिक्रमा का विधान इसे विशिष्ट बनाता है, ऐसे में इसका संरक्षण राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ऋचा गोस्वामी ने कहा कि मां नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में घरों, नगरों, उद्योगों और ड्रेनेज का गंदा पानी सीधे मिलाया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 15 वर्ष पूर्व की गई घोषणाएं-नर्मदा के समानांतर एसटीपी निर्माण और 6 करोड वृक्षारोपण- अब तक कागजों में ही सिमटी हैं। परिक्रमा मार्ग पर शराब और मांस विक्रय, चुटका किंदरई में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट, अवैध रेत उत्खनन और आदिवासी किसानों की सिंचाई समस्याओं को भी गंभीर चिंता बताया गया। आंदोलन की प्रमुख मांगों में नालों का नर्मदा में मिलना तत्काल रोकना, प्रभावी एसटीपी का निर्माण, पीओपी मूर्ति विसर्जन पर प्रतिबंध, परिक्रमा मार्ग पर शराब-मांस बिक्री बंद करना, उद्योगों पर 10 किमी दायरे में रोक और अवैध रेत उत्खनन पर सख्त कार्रवाई शामिल है।

भागीरथपुरा जल कांड : हाईकोर्ट के आदेश पर जांच आयोग गठित

28 फरवरी तक कर सकेंगे शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में सामने आए दूषित पेयजल कांड, जिससे सैकड़ों नागरिक बीमार हुए और गंभीर जनस्वास्थ्य संकट उत्पन्न हुआ, की विस्तृत जांच के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जांच आयोग का गठन किया गया है। आयोग की अध्यक्षता न्यायमूर्ति सुशील कुमार गुप्ता (सेवानिवृत्त), पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय करेंगे। आयोग दूषित जल आपूर्ति के कारणों, प्रशासनिक लापरवाही, जिम्मेदार अधिकारियों व एजेंसियों की भूमिका, जनहानि तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सुधारात्मक उपायों की जांच करेगा।

दूषित जल कांड के हर पहलू की होगी जांच: आयोग द्वारा भागीरथपुरा दूषित जल कांड में पेयजल में सीवरेज अथवा अन्य दूषित तत्वों के मिश्रण के कारण, जल आपूर्ति प्रणाली में हुई तकनीकी खामियां, संबंधित विभागों की प्रशासनिक लापरवाही, जिम्मेदार अधिकारियों, एजेंसियों अथवा ठेकेदारों की भूमिका, नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़े प्रभाव, संभावित जनहानि तथा भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु

28 तक अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकेंगे

सभी संबंधित व्यक्ति 28 फरवरी 2026 तक अपना लिखित अभ्यावेदन व्यक्तिगत रूप से इस पते पर जांच आयोग कार्यालय, स्कीम नंबर 140, आरसीएम-10, प्रथम मंजिल, आनंद वन, स्कीम नंबर 140, इंदौर। उल्लेखनीय है कि भागीरथपुरा में दिसंबर के अंत में हुई दूषित जल कांड पीने के कारण सैकड़ों लोग बीमार हो गए थे, तो वहीं इलाज के दौरान करीब 33 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरा निगम और जिला प्रशासन का अमला क्षेत्र में सक्रिय है और यहां पेयजल सिस्टम के साथ ड्रेनेज लाइन को दुरुस्त कर रहा है। आवश्यक सुधारात्मक उपायों की विस्तृत जांच की जाएगी। दूषित जल कांड की जांच के लिए आयोग ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। भागीरथपुरा एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रभावित नागरिक, उनके परिजन, जन प्रतिनिधि, चिकित्सक, अस्पताल, सामाजिक संगठन, शासकीय अधिकारी, ठेकेदार अथवा कोई भी व्यक्ति जिसके पास इस कांड से संबंधित जानकारी या साक्ष्य उपलब्ध हों, वे आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

जीओ गीता की शाखा का गठन, घर-घर होगा हिंदी गीता का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ग्लोबल इंस्पीरेशन एनलाइटनमेंट आर्गेनाइजेशन ऑफ़ भगवद गीता (जीओ गीता) के संस्थापक देश के प्रख्यात गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान इंदौर में भी जीओ गीता की शाखा स्थापित करने की घोषणा करते हुए लायंस सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े समाजसेवी कुलभूषण मित्तल कुक्की के मार्गदर्शन में सीए पंकज गुप्ता को इंदौर इकाई का संयोजक नियुक्त किया है। संगठन के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप मित्तल ने रविवार को कनाड़िया रोड, मोर्या हिल्स स्थित कुसुम देवी छावछरिया सभागृह में आयोजित तीन दिवसीय दिव्य गीता सत्संग के समापन पर इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि प्रथम चरण में इंदौर में दो हजार लोगों को संगठन का सदस्य बनाया जाएगा।

गाँधी हॉल में मनी मेला-09, देश के 50 से अधिक जाने माने मुद्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर मुद्रा शोध न्यास एवं भार्गव ऑक्शंस द्वारा गाँधी हॉल में 13 से 15 फरवरी तक मनी मेला – 09 का वृहद आयोजन होने जा रहा है। भारत के गुप्तकाल 'स्वर्ण युग के सिक्कों' के लेखक एवं संग्राहक संजीव कुमार शिवली कुमार गुप्त (अमेरिका) इस मेले का शुभारंभ करने मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर आएँगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने निवास पर गुप्त की पुस्तकों की प्रशंसा कर चुके हैं। 50 स्टाल्स वाले इस मेले में देश के प्रख्यात विद्वान, मुद्रा संग्राहक एवं व्यवसायी भी शामिल होंगे जहाँ देश के प्राचीन, मध्यकाल, मुगलकालीन एवं ब्रिटिश सरकार के समय के सिक्के देखे, ख़रीदे और बेचे जा सकेंगे। सोशल मीडिया पर सिक्कों और करेंसी नोटों के नाम पर हो रही धोखाधड़ी तथा भ्रामक जानकारियों से भी आम लोगों को इस मेले में आगाह किया जाएगा बल्कि ऐसे लोगों के लिए मेले में प्रवेश भी प्रतिबंधित रहेगा।

प्रदेश में अगले 2 दिन तेज सर्दी, भोपाल-इंदौर में पारा लुढ़का

भोपाल (एजेंसी) • मप्र में अगले 2 दिन तक तेज सर्दी रहेगी। इस दौरान ग्वालियर-चंबल के साथ रीवा और शहडोल संभाग के शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे रहेगा। अभी कटनी और शहडोल में टेम्पेरेचर सबसे कम है। वहीं, भोपाल और इंदौर में भी पारे में गिरावट देखी गई है। इससे पहले बीती रात प्रदेश के 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा। 5 बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 10.4 डिग्री, इंदौर में 10.6 डिग्री, ग्वालियर में 11.2 डिग्री, उज्जैन में 12 डिग्री और जबलपुर में 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे ठंडे शहर कटनी का करौंदी, शहडोल का कल्याणपुर रहे। करौंदी में 5.6 डिग्री, कल्याणपुर में तापमान 6.1 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी, उमरिया और खजुराहो में 8.4 डिग्री, राजगढ़ में 8.5 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, रीवा-मलाजखंड में 9.1 डिग्री, नौगांव में 9.5 डिग्री, मंडला में 9.6 डिग्री और दतिया में 9.8 डिग्री रहा।

इधर, रविवार सुबह ग्वालियर-चंबल में हल्का कोहरा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल कोहरे और बारिश की संभावना नहीं है। दिन में तेज धूप खिलेगी, लेकिन भोपाल, सीहोर, गुना, ग्वालियर, भिंड, मुरैना आदि जिलों में सर्द हवाएं भी चलेगी। देर रात और अलसुबह ठंड ज्यादा असर दिखाएगी।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

10 फरवरी- हल्का कोहरा रहेगा। बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन ठंड का असर बढ़ा हुआ रहेगा। 11 फरवरी- कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। इस दिन बारिश का अलर्ट नहीं है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसका असर फिर से प्रदेश में देखने को मिलेगा। 12 फरवरी से मावठा गिरने का अनुमान है। यानी, अगले 5 दिन तक तो प्रदेश में बारिश या ओले गिरने का अनुमान नहीं है।

भोपाल में रातें ठंडी रहती हैं, दिन गर्म

भोपाल में रातें ठंडी रहती हैं, जबकि दिन गर्म। वर्ष 2014 से 2024 के बीच 4 साल दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया था। रात में 7 साल पारा 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। इस बार फरवरी में दिन का तापमान 25 डिग्री के पार है।

इंदौर में बारिश का ट्रेंड नहीं

फरवरी में इंदौर में बारिश होने का ट्रेंड नहीं है। 2014 और 2015 में बूंदाबांदी जरूर हुई थी। दूसरी ओर दिन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार ही रहता है। 2019 में तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया था। यहां रात में पारा 10 डिग्री के नीचे रहता है।

ग्वालियर में कड़ाके की ठंड

ग्वालियर में कड़ाके की ठंड का ट्रेंड रहता है। इसकी वजह यहां सीधे उत्तरी हवाएं आना है। 4 फरवरी 2018 की रात में न्यूनतम पारा रिकॉर्ड 1.9 डिग्री दर्ज किया गया था। साल 2019, 2022 और 2023 में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री से नीचे ही रहा। पिछले साल ग्वालियर में बारिश भी हुई थी। इस बार यहां फरवरी के पहले ही दिन बारिश का दौर रहा है।

उज्जैन में गर्मी, बारिश और ठंड का दौर

उज्जैन में गर्मी और ठंड के साथ बारिश भी होती है। दिन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार ही रहता है, जबकि रात में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से कम दर्ज किया जाता है। उज्जैन में फरवरी महीने में बारिश का ट्रेंड कम ही है।

विधायक पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप, कंपनी बनी ही नहीं उसमें सिंगापुर में पैसा लगाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राजनीति में सफलता और विवाद अक्सर साथ-साथ चलते हैं। शाजापुर की सियासत इन दिनों एक 'गुमनाम खत' के कारण गर्माई हुई है। निशाना हैं भाजपा के विधायक अरुण भीमावद। यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में नई नियुक्तियों की सुगबुगाहट तेज है। पत्र में विधायक की कार्यशैली और छवि को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन उस पर लिखने वाले का नाम नहीं है। यहां जब भी राजनीतिक समीकरण बदलते हैं या किसी नेता का कद बढ़ता है, तो 'लेटर वार' शुरू हो जाना एक पुरानी रवायत रही है। राजनीति के इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा कोर्ट के बाहर स्टाम्प बेचना, अरुण भीमावद शाजापुर कोर्ट परिसर में एक स्टाम्प वेंडर के रूप में काम करते थे। यह उनके जीवन का वह दौर था, जब वे एक आम नागरिक की तरह अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे थे।

स्टाम्प बेचने के साथ-साथ उनका झुकाव राष्ट्रवादी विचारधारा की ओर हुआ और वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ गए। छात्र राजनीति ने उन्हें युवाओं के बीच एक पहचान दी। इसके बाद वे भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिलाध्यक्ष बने, जिससे मुख्यधारा की राजनीति में उनका प्रवेश हुआ। संगठन में उनकी पकड़ मजबूत होती गई और वे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष और फिर दो बार जिलाध्यक्ष भी रहे। 2013 तक शाजापुर विधानसभा सीट कांग्रेस का एक अभेद्य किला मानी जाती थी। 1989 से यहां लगातार कांग्रेस का कब्जा था। 2013 में भाजपा ने एक बड़ा दांव खेलते हुए संगठन के कार्यकर्ता अरुण भीमावद को टिकट दिया। मुकाबला कड़ा था, लेकिन भीमावद ने 25 साल पुराने कांग्रेस के इस किले को ढहा दिया और करीब 1900 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह जीत भाजपा के लिए एक चमत्कार से कम नहीं थी। इस गुमनाम पत्र में विधायक अरुण भीमावद पर भू-माफिया से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग तक के संगीन आरोप लगाए गए हैं, जो उनकी छवि पर सीधा प्रहार करते हैं। शाजापुर में कटने वाली हर अवैध कॉलोनी में विधायक की कथित तौर पर साझेदारी है। जब भी प्रशासन इन कॉलोनियों पर कार्रवाई की कोशिश करता है, तो विधायक का राजनीतिक दबाव आड़े आ जाता है। यह भी दावा किया गया है कि जो कॉलोनाइजर उन्हें 'चढ़ावा' नहीं देते, उनकी जमीनों का लैंड यूज जानबूझकर नहीं होने दिया जाता, जिससे वे परेशान होकर घुटने टेक दें। इस 'रेफरल खेल' में मोटे कमीशन का लेनदेन होता है। इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के फंड में बड़े पैमाने पर गबन करने और इंदौर व पचोर में पार्टनरशिप में अस्पताल बनवाने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। सबसे संगीन आरोप भ्रष्टाचार से कमाई गई दौलत को ठिकाने लगाने से जुड़ा है। पत्र के अनुसार, शाजापुर से वसूला गया काला धन इंदौर की प्रॉपर्टी और सिंगापुर में स्थित 'शेल कंपनियों' में विधायक के दामाद के जरिए निवेश किया जा रहा है। यह आरोप मामले को स्थानीय राजनीति से उठाकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय अपराधों से जोड़ता है।

युवाचार्य महेन्द्र ऋषि महाराज का नगर प्रवेश आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रमण संघीय पूज्य युवाचार्य महेन्द्र ऋषि महाराज, हितमित भाषी पूज्य हितेंद्र ऋषि महाराज ठाणा 4 एवं श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति महाराज ठाणा 9 का इन्दोर महानगर प्रवेश 10 फरवरी को आईपीएस स्कूल राजेन्द्र नगर पर होगा। अचल चौधरी एवं रमेश भंडारी ने बताया कि युवाचार्य महाराज पनवेल महाराष्ट्र का ऐतिहासिक सफल चातुर्मास पूर्ण कर करीब 900 किलोमीटर की पद यात्रा करके इन्दोर पधार रहे है। युवाचार्य महेन्द्र ऋषि महाराज का 11 फरवरी को आईपीएस स्कूल में अभिनंदन समारोह, गुणनवाद सभा, एवं प्रवचन होंगे। जानकीनगर संघ अध्यक्ष धर्मचंद आर चोरडिया, हुल्लास बेताला, पीयूष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि युवाचार्य महाराज का 13 फरवरी को जानकीनगर स्थानक में मंगल प्रवेश होगा। 15 फरवरी सामायिक दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इन्दोर महानगर के विभिन्न स्थानको में भ्रमण का विस्तृत कार्यक्रम बनाया गया है सभी स्थानको में प्रवचन होंगे। संयोजक प्रकाश भटेवरा एवं हेमन्त बोहरा ने बताया कि युवाचार्य होली चातुर्मास महावीर भवन इमली बाजार में करेंगे।

डॉ. अमीनुल को छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग का प्रभारी नियुक्त किया

भोपाल (एजेंसी) • अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा डॉ. अमीनुल खान सूरी को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

डॉ. अमीनुल खान सूरी इससे पूर्व मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता के रूप में भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का पक्ष मजबूती से रखने की भूमिका निभा चुके हैं। वर्तमान में वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर के रूप में संगठनात्मक समन्वय और विस्तार का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दौरान अल्पसंख्यक समाज को लगातार हाशिये पर धकेले जाने, सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाने और संवैधानिक मूल्यों पर हमले की घटनाएँ चिंता का विषय रही हैं। ऐसे समय में डॉ. अमीनुल खान सूरी को यह जिम्मेदारी सौंपा जाना इस बात का संकेत है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में अल्पसंख्यक समाज की आवाज़ को और मजबूती से उठाएगी तथा भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का सड़कों से सदन तक जवाब देगी।

कांग्रेस नेतृत्व को विश्वास है कि डॉ. सूरी अपने अनुभव, वैचारिक प्रतिबद्धता और जमीनी जुड़ाव के बल पर छत्तीसगढ़ में अल्पसंख्यक विभाग को नए सिरे से संगठित करेंगे और सामाजिक न्याय, भाईचारे तथा संविधान की रक्षा की लड़ाई को और तेज़ करेंगे।

कांग्रेस परिवार डॉ. अमीनुल खान सूरी को इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देता है और आशा करता है कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की राजनीतिक धार और अधिक तेज़ होगी

चंद घंटों में चाकूबाज बदमाश गिरफ्त में, जनता के सामने मांगी माफी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • थाना चंदन नगर क्षेत्र में चाकूबाजी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश को पुलिस ने घटना के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने नशे के लिए अवैध रुपयों की मांग को लेकर विवाद के दौरान युवक पर चाकू से हमला किया था, जिसमें वह घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार राजनगर सेक्टर-एफ में आरोपी विशाल उर्फ नागिन पिता विजय पटेल (18 वर्ष), निवासी हुकुमचंद कॉलोनी, ने अभिषेक भगड़े (23 वर्ष), निवासी राजनगर, पर चाकू से हमला कर दिया। घायल अभिषेक को परिजन तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज किया गया।घटना के बाद फरियादी निखिल शर्मा, निवासी दामोदर नगर की शिकायत पर थाना चंदन नगर पुलिस ने बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मामला दर्ज होते ही चंदन नगर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी

जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर उसके कृत्य के दुष्परिणामों से अवगत कराया। इस दौरान आरोपी ने फरियादी और मौके पर मौजूद आम जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सख्ती से संतुष्ट होकर स्थानीय लोगों ने तालियां बजाकर पुलिस का आभार व्यक्त किया। चंदन नगर पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

विद्याधाम पर शिवरात्रि महोत्सव प्रारंभ, 15 को होगी चारों प्रहर पूजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शास्त्री के निर्देशन में गत 6 फरवरी से चल रहे शिव नवरात्र महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 9.30 से दोपहर 1.30 बजे तक 31 विद्वानों द्वारा लघु रूद्र का अनुष्ठान किया जा रहा है। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि अनुष्ठान में प्रत्येक दिन दूध, दही, शहद, गन्ने के रस एवं घी सहित अन्य पदार्थों से भगवान शिवाशिव का अभिषेक हो रहा है। मुख्य महापर्व 15 फरवरी शिवरात्रि को मनाया जाएगा जिसमें चारों प्रहार भगवान शिव की पूजा होगी तथा भक्तों के लिए भगवान शिव पार्वती का मनोहारी श्रृंगार दर्शन भी किया जाएगा। भक्तों के लिए फलाहार प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की जा रही है।

मिर्गी के मरीज स्वयं को हरसंभव मानसिक तनाव से दूर रखें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मिर्गी के मरीजों को अपनी जीवनशैली सुधारने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम करने से भी मिर्गी के रोग से राहत मिल सकती है। मिर्गी की रोकथाम के लिए दवाइयों का नियमित और समय पर प्रयोग करना जरुरी है। कोशिश यही करें कि मिर्गी के मरीज मानसिक तनाव से हरसंभव स्वयं को दूर रखें क्योंकि मानसिक तनाव का मरीजों पर ज्यादा प्रभाव हो सकता है।

इंदौर एपिलेप्सी एसोसिएशन विशेषज्ञ समिति के तत्वावधान में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के उपलक्ष्य में गीता भवन में आयोजित जागरूकता सेमीनार में एसोसिएशन की सचिव डॉ. श्रीमती वीवी नाडकर्णी ने मरीजों को परामर्श के दौरान उक्त महत्वपूर्ण जानकारियां दी। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष डॉ. वसंत डाकवाले ने की। इस अवसर पर गीता भवन के ट्रस्टी संजीव कोहली, गीता भवन हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गजेन्द्र भंडारी, मितेश दुबे, मनोज त्रिपाठी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। सेमीनार का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। डॉ. भंडारी ने भी मरीजों को नियमित रूप से दवाइयां लेने की सलाह दी। नीलम रानाडे ने मिर्गी रोग से जुडी भ्रांतियों को दूर करने हेतु वीडियो फिल्म के माध्यम से मरीजों को बीमारी के लक्षणों, कारणों एवं निदान से सम्बन्धित तथ्यात्मक जानकारियां दी। डॉ. नाडकर्णी ने मिर्गी के मरीजों के उपचार में सर्जरी के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि अनेक शोध कार्यों से भी यह सिद्ध हुआ है कि योग एवं प्राणायाम से रोग के प्रबन्धन में बहुत मदद मिलती है। इस अवसर पर डॉ. नाडकर्णी एवं डॉ. कुरेचिया ने सेमीनार में आए मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

जहरीले बयान से विषैले पानी तक कटघरे में मप्र की सरकार

किसी भी सरकार की दृढ़ता और जन सामान्य से जुड़े विषयों में उसकी संवेदनशीलता सरकार की कीर्ति, ख्याति और गुणगान का महत्वपूर्ण आधार होती है। इस लिहाज से मध्यप्रदेश राज्य सरकार जिसने अपने नवीन नैतृत्व के साथ दो बरस से अधिक की कार्य अवधि पूर्ण कर ली है, अब यह जानना बहुत जरुरी हो जाता है की जनसामान्य से जुड़े आवश्यक विषयों के प्रति सरकार के मुखमंत्री, मंत्री, नेता और अफसरों का दृष्टिकोण क्या है? जब किसी राज्य में केंद्रीय नैतृत्व ने नव प्रयोग करते हुए वरिष्ठता के क्रम को उलांघकर मोहन यादव को मध्यप्रदेश की सरकार का मुखिया बनाया हो, तब राज्य सरकार का मूल्यांकन भी जरुरी हो जाता है। सरकार के कार्यों का मूल्यांकन जनता की नजर से करने का पैमाना वैसे तो पांच बरस में होने वाले चुनाव है। इस पैमाने पर अब से दो बरस पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नैतृत्व में एमपी की जनता ने भाजपा को व्यापक जन समर्थन देकर राज्य में राज्य में पांच वर्षीय कार्यकाल सौपा है, जनादेश इतना बड़ा की बहुमत से 50 सीटें अधिक याने की 230 में से 163 सीट जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा। किंतु यह सफलता भाजपा को पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान के नैतृत्व में प्राप्त हुई थी। शिवराज के नैतृत्व में भाजपा को मिले व्यापक जन समर्थन के बाद भाजपा हाईकमान ने शिवराज के स्थान पर महाकाल की नगरी उज्जैन दक्षिण के विधायक एमपी सरकार के पूर्व शिक्षामंत्री मोहन यादव को प्रदेश की कमान सौपी। मध्यप्रदेश में मोहन यादव ने 13 दिसम्बर 2023 को राज्य के 19 वें मुख्यमंत्री के रुप में शपथ ग्रहण की थी।

मध्यप्रदेश जिसकी बागडोर शिवराज के हाथों से मोहन यादव के हाथों में आ चुकी थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रुप में अपने शुरुवाती निर्णयों में मोहन यादव सरकार की दृढ़ता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही 13 दिसम्बर 2023 को धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर निर्धारित डेसिबल से अधिक तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों और डीजे के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। यह कदम सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत ध्वनि प्रदूषण कम करने और जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उठाया गया था। इस निर्णय को सम्पूर्ण प्रदेश में समान रुप से लागू करने में भी सफलता प्राप्त हुई थी। जब गाँव-गाँव, शहर-शहर ऊँचे स्थानों पर लाउड स्पीकर लगाकर धार्मिक कट्टरवाद की प्रतिस्पर्धा का

दौर चल रहा था। मोहन यादव की सरकार ने आमजनता के हित में दृढ़ता से कदम उठाया। उक्त निर्णय को समान रुप से लागू भी किया। तेज आवाज से परेशान आमजन को राहत देने का काम किया था। एमपी की सरकार का दूसरा कठोर निर्णय परिवहन चैक पोस्ट समाप्त करने का था। जिसका आधिकारिक निर्णय 30 जून 2024 को लिया गया। और यह 1 जुलाई 2024 से पुरे राज्य में लागू भी हो गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अंतर प्रांतीय सीमाओं पर होने वाली अवैध वसूली को रोकने और गुजरात मॉडल अपनाने के लिए चेक पोस्ट को बंद करने का कड़ा फैसला लिया था। यह फैसला सरकार का भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार था। जनता से जुड़े कठोर निर्णय लेने वाली मोहन सरकार कुछ मामलों में अनिर्णय का शिकार होती दिखी, जिन विषयों पर संवेदनशीलता और दृढ़ता दिखाए जाने की आवश्यकता थी, राज्य सरकार और उसके मुखिया खामोश नजर आए। ऐसा ही राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा मामला एमपी सरकार के जनजातीय कार्यमंत्री के रुप में विजय शाह द्वारा दिया गया बयान था। उन्होंने भारतीय सेना की कर्नल सौफ़िया कुरैशी जिन्होंने आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की कार्यवाही से दुनियाँ को अवगत कराया स्वयं भी कार्यवाही का हिस्सा रही। उन पर दिए जहरीले बयान में मंत्री विजय शाह ने उन्हें आंतकियों की बहन कहकर सम्बोधित किया। भारत राष्ट्र की जिस नायिका पर देश गौरव कर रहा है, एमपी सरकार के जिम्मेदार मंत्री द्वारा दिए बयान ने मध्यप्रदेश की जनता को शर्मन्दगी से भर दिया था, उनका यह बयान देश की गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाला है, किंतु आश्चर्य की 10 माह होने को आए मंत्री अपने पद पर बना हुआ है। एमपी की सरकार उन्हें मंत्री पद से हटाने में नाकाम दिखाई दी, जब से अब तक का हर दिन एमपी की सरकार और उसके मुख्यमंत्री की संवेदना और दृढ़ता को मुंह चिढ़ाता प्रतीत हो रहा है।

एमपी की आर्थिक राजधानी इंदौर जिसे देश के सबसे साफ शहर का तमगा मिला हुआ है। अभी वर्ष 2026 की जनवरी माह में इस शहर के भागीरथ पूरा इलाके में विषैले पानी से फैले डायरिया के कारण एक के बाद एक 33 लोगो की मौत हो गयी। मौत का क्रम अभी भी जारी है, जाने कब रुकेगा, सरकार ने तीन अधिकारियो को निलंबित किये जाने एवं मृतक परिवार को मुआवजे के रुप में मात्र 2 लाख रु की घोषणा कर इस गंभीरतम अपराध पर पर्दा डालने का प्रयास किया। इस अति गंभीर विषय पर प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री ने एक पत्रकार को दिए बयान में फोकट प्रश्न और घंटा जैसे शब्दों के इस्तेमाल ने प्रदेश की जनता को झकझोर दिया। इस बयान ने प्रदेश को गहरे रुप से शर्मिंदा किया। एमपी के इंदौर में विषैले पानी से हुई मौत के सम्पूर्ण घटनाक्रम पर सरकार संवेदन शून्य नजर आई। यह विषय प्रदेश के विपक्ष को सरकार पर हमलावर होने का मौका था, विपक्ष ने ऐसा ही किया। सरकार और मुख्यमंत्री विपक्ष को दोष देते दिखे। इस अति गंभीर विषय पर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा की फायर ब्राड नेता उमा भारती का बयान काबिले गौर रहा, जिसमे जनमत की आवाज सुनाई दी उन्होंने ×

पर अपनी पोस्ट में लिखा ' सिर्फ इंदौर के मेयर ही नहीं, मध्यप्रदेश का शासन एवं प्रशासन कटघरे में खडे है, इस महापाप के सभी जिम्मेदार लोग जनता के प्रति अपराध के कटघरे में खडे है, उमा भारती ने लिखा इंदौर दूषित पानी के मामले में यह कौन कह रहा है की हमारी चली नहीं, जब आपकी चली नहीं तो आप पद पर बैठे बीसलेरी का पानी क्यों पीते रहे? जनता के बिच क्यों नहीं गए? ऐसे पापों का कोई स्पष्टीकरण नहीं होता या तो प्रायश्चित या दंड!' उमा भारती की इस पोस्ट में सरकार को सख्त कदम उठाने का संदेश था। किंतु सत्तामद में चूर प्रदेश सरकार इस संवेदनशील विषय पर असंवेदनशील नजर आई। घटनाक्रम तो प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, राशन माफिया, शराब माफिया, बढ़ती बेरोजगारी, लालफीताशाही भी है,किंतु आपरेशन सिंदूर की नायिका सौफ़िया कुरैशी पर मंत्री विजय शाह के बयान के बाद भी उनका पद पर बने रहना? इंदौर के भागीरथ पूरा में विषैले पानी से हुई 33 लोगो की मौत के बाद सरकारी तत्परता की कमी, सरकारी दृढ़ता का अभाव, प्रदेश सरकार के मुखिया मोहन यादव जो अपने आरम्भिक कुछ महीनों में कठोर निर्णय लेते दिखे, बाद में अनिर्णय का शिकार हो गए। विषैले पानी और जहरीले बयान के बाद सरकार के कमजोर फैसलों ने एमपी सरकार के मुखिया और सरकार की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव को जरूरत है, संवेदनशील विषय पर कठोर रुख इख्तियार करने की, हाई कमान एक बार मौका देता है, बाद में प्रदेश की जनता आपको मजबूत लीडर के रुप में देश के सामने प्रस्तुत करती है। जनता का नेता बनने के लिए जरुरत है। जनभावना के सम्मान की एमपी की सरकार और उसके मुखिया मोहन यादव को समय रहते जनता की भावना का आदर करना सीखना होगा। हर विषय पर दिल्ली की और देखना भी आपकी कमजोरी और निर्णय लेने में देरी को प्रदर्शित करते है।

नरेंद्र तिवारी 'स्वतंत्र लेखक' 7,शंकर गली मोतिबाग सेंधवा जिला बड़वानी मप्र।

सम्पादकीय

सड़क पर खुले गड्ढे, प्रशासन की बंद आंखें, कब तक बेगुनाह जिंदगियां निगलती रहेगी सरकारी संवेदनहीनता

घटना के तूल पकड़ लेने के बाद दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों को निलंबित करने और उप-ठेकेदार को गिरफ्तार करने के अलावा गैरइरादतन हत्या की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में खुले गड्ढे में गिर कर एक मोटरसाइकिल सवार की मौत की घटना ने फिर यही साबित किया है कि सरकार के संबंधित महकमे किस कदर संवेदनहीन और गैरजिम्मेदार हैं। इस बात की कोई फिक्र नहीं दिखती कि अधिकारियों की लापरवाही से किसी की जान तक चली जा रही है। गौरतलब है कि जनकपुरी इलाके में डिस्ट्रिक सेंटर के नजदीक सीवर पाइपलाइन परियोजना के लिए करीब पंद्रह फुट गहरा गड्ढा खोदा गया था, जो खुला था। गुरुवार रात काम के बाद घर लौटते हुए एक पच्चीस वर्षीय युवक उसी गड्ढे में गिर गया और उसकी मौत हो गई। उसके परिजन रात भर उसे खोजते रहे, लेकिन उन्हें सुबह घटना की जानकारी मिली। खबरों के मुताबिक, घटना की जानकारी एक उप-ठेकेदार को रात में मिल गई थी, मगर उसने न तो पुलिस को बताना जरूरी समझा, न ही समय पर आपातकालीन सेवा को सूचित किया। घटना के तूल पकड़ लेने के बाद दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों को निलंबित करने और उप-ठेकेदार को गिरफ्तार करने के अलावा गैरइरादतन हत्या की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मगर अधिकारियों की जिस जानलेवा लापरवाही की वजह से एक व्यक्ति की जान चली गई, वह कब तक एक रिवायत की तरह बनी रहेगी। सड़कों के किनारे खुले गड्ढे या मैनहोल में किसी के गिर जाने से बुरी तरह घायल होने या फिर मौत की यह कोई पहली घटना नहीं है। विचित्र यह है कि जो मामले सुर्खियों में आ जाते हैं, उन पर सरकार कार्रवाई करती दिखती है, मगर थोड़े ही दिनों बाद फिर हर तरफ लापरवाही का आलम छाया दिखता है। सीवर के लिए पाइप लाइन या फिर किसी अन्य कार्य की वजह से बड़े-बड़े गड्ढे खोद तो दिए जाते हैं, लेकिन वहां कोई भी सुरक्षा घेरा और खतरे का संकेतक लगाने की जरूरत नहीं समझी जाती। सिर्फ इसी लापरवाही की वजह से अक्सर सड़क किनारे खुले नाले, गड्ढे या मैनहोल में गिर कर किसी की मौत हो जाती है। सवाल है कि इस तरह की बदस्तूर लापरवाहियों की वजह से होने वाली मौत को हत्या की श्रेणी में क्यों नहीं माना जा सकता।

आंचलिक

9 दिन से बिजली नहीं, छात्रों की पढ़ाई पर असर, जामनिया में केबल फॉल्ट से वायरिंग जली

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के जामनिया गांव में पिछले 9 दिनों से बिजली गुल है। केबल फॉल्ट के कारण गांव की वायरिंग जल गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छाया हुआ है। खुले तार पड़े होने से खतरा बना हुआ है। बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है, खासकर आगामी परीक्षाओं को देखते हुए। ग्रामीणों का कहना है कि रात में बच्चे ठीक से सो भी नहीं पा रहे हैं। इसके अलावा, अनाज पिसाई और पेयजल आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाओं में भी बाधा आ रही है। जहरीले जीवों का डर भी बना हुआ है।

ग्रामीणों ने बताया कि 9 दिन पहले अचानक केबल में फॉल्ट

हुआ, जिसके बाद पटाखों जैसी आवाजें आईं और तारों से चिंगारियां गिरने लगीं। इस दौरान कुछ लोग केबल के पास फंस गए थे, जिन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। भीकनगांव बिजली विभाग को घटना की सूचना और आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले में बिजली कंपनी के भीकनगांव डिविजनल इंजीनियर हिमांशु चौहान ने बताया कि केबल में सुधार या उसे बदलने की कार्रवाई जल्द ही की जाएगी।

108 श्रद्धालुओं ने पूरी की नर्मदा परिक्रमा बुरहानपुर के 2 भक्त भी शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● निमाड़ क्षेत्र के 108 श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा की 3,000 किलोमीटर की पैदल परिक्रमा पूरी कर ली है। यह यात्रा अखंड हरिनाम संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। इस दल में बुरहानपुर जिले के बोदरली और डोंगरगांव के दो श्रद्धालु भी शामिल थे। यात्रा पूरी कर लौटने पर गांव में उनका स्वागत किया गया। बोदरली के हंसराज सुगंधी ने बताया कि यह परिक्रमा गुरु गोपाल चैतन्य महाराज के संकल्प के तहत शुरू की गई थी। इसमें 108 भक्तों का जत्था साथ चला। बुरहानपुर जिले से हंसराज सुगंधी और डोंगरगांव के एकनाथ पंवार इस परिक्रमा में शामिल थे।

ओंकारेश्वर से शुरू होकर वहीं थमी

यह यात्रा ओंकारेश्वर से आरंभ हुई थी। इसके बाद अंजड़, बड़वानी, अक्कलकुआ, अंकलेश्वर, धार, धामनोद, अलीराजपुर, हरदा होते हुए डिंडोरी, रायसेन और अमरकंटक पहुंची। परिक्रमा का समापन पुनः ओंकारेश्वर में हुआ। श्रद्धालुओं ने लगभग 3,000 किलोमीटर का सफर पैदल तय किया।

किसान ने की औषधि खेती की शुरुआत मूसक दाना से होने लगा दोगुना मुनाफा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● रबी की फसल सोयाबीन के उत्पादन में समस्या आई तो खंडवा जिले में जलकुआं के किसान भूपेंद्र सिंह पंवार ने 2 साल पहले खेती का तरीका ही बदल दिया। उन्होंने औषधि खेती की शुरुआत की और मूसक दाना (कस्तूरी भिंडी) लगाई। इससे लागत कम होने के साथ ही मुनाफा बढ़ गया। जितनी आमदनी सोयाबीन और गेहूं से होती थी। अब उससे दो गुना मुनाफा होने लगा है। किसान भूपेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि बरसों से सोयाबीन की खेती कर रहे थे। लेकिन, सोयाबीन की फसल में समस्या आने लगी। उत्पादन प्रभावित होने पर मन में औषधि खेती का विचार आया और इसकी शुरुआत कर दी। कस्तूरी भिंडी (मूसक दाना) की लगाया। इसके लिए बीज नीमच मंडी से लाए। बोवनी के बाद पर्याप्त पानी मिलने से फसल भी अच्छी आई। इससे आस-पास के किसान भी प्रेरित हो रहे हैं।

मई-जून में तैयार कर रहे नर्सरी

किसान ने बताया मूसक दाना की खेती करने के लिए मई–जून में नर्सरी तैयार करते हैं। इसमें तैयार किए पौधों को जुलाई में खेत में रोपते हैं। खेत में लगाते समय पौधों की कतार के बीच 3-3 फीट की दूरी और पौधों के बीच 1-1 फीट का अंतर रखा जाता है। समय–समय पर निंदाई गुड़ाई और यूरिया–डीएपी के उपयोग से बढ़िया फसल आई।

खेती बदलने से ऐसे बढ़ा मुनाफा

किसान ने बताया पहले प्रति एकड़ गेहूं और सोयाबीन लगाने पर करीब 5 हजार रुपए की कमाई होती थी। अब एक लाख रुपए तक का फायदा होने लगा है। इसीलिए क्षेत्र के अन्य किसान भी औषधिय खेती शुरू कर रहे हैं।

प्राकृतिक खेती के लिए कर रहे तैयारी

किसान ने बताया कि आने वाले समय में पूरी तरह प्राकृतिक खेती करेंगे। इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। खेत में ही जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, बीजामृत और छिड़काव के लिए दसपर्णी अर्क तैयार करेंगे। जीवामृत तैयार कर रहे हैं। इसके लिए 10 लीटर गौमूत्र और 10 किलो गोबर, 1 किलो चने की दाल, 1 किलो गुड़, जंगल से पेड़ के पास की मिट्टी लाए हैं। इसे 200 लीटर के ड्रम में पानी के साथ मिश्रण तैयार करके 7 दिन के लिए रखा जा रहा है। सुबह-शाम घड़ी दिशा में घुमाने के बाद यह मिश्रण खेत में डालने के लिए तैयार होता है।

डिवाइडर निर्माण से सड़क वन-वे, अस्थाई रूप से बड़े वाहनों का रूट अलग किया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर शनवारा चौराहा से गणपति नाका थाने तक डिवाइडर का निर्माण कार्य जारी है। नगर निगम द्वारा पिछले लगभग 20 दिनों से यह कार्य कराया जा रहा है, जिसके चलते सड़क को वन-वे कर दिया गया है।

सड़क के एक तरफ पूरी तरह बंद होने के कारण छोटे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों की अधिक संख्या होने पर यहां जाम की स्थिति भी बन रही है। बड़े वाहनों को गणपति नाका से हमीदपुरा रोड, सिंधी बस्ती, रेणुका रोड और शिकारपुरा थाना मार्ग होते हुए शाहपुर की ओर मोड़ा जा रहा है। यह निर्माण कार्य नगर के सौंदर्यीकरण योजना के तहत किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, डिवाइडर बनने से भविष्य में सड़क हादसों में कमी आएगी। यह इंदौर-इच्छापुर हाईवे है, जिससे प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। मार्ग पर कुछ ब्लैक स्पॉट भी हैं जहां दुर्घटनाओं की आशंका अधिक रहती है। नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्य कुछ ही दिनों में पूरा हो जाएगा। डिवाइडर बनने से वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा होगी और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

पुल व पहुंच मार्ग निर्माण से आवागमन होगा सुगम

दैनिक इंदौर संकेत

लोनारा ● बोराड़ नदी पर गुर्जर धर्मशाला के सामने पुल निर्माण के बाद पहुंच मार्ग पर सीमेंटीकरण जारी है। पिछले 15 दिन से चल रहे निर्माण कार्य के चलते गुर्जर धर्मशाला के पीछे से परिवर्तित मार्ग बनाया गया है। पुल के दोनों ओर सीमेंटीकरण का काम होगा। इस निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। काम पूरा होने के बाद लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे वैभव

मुंबई (एजेंसी) • 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल से लेकर अंडर-19 क्रिकेट तक वह छाये रहे हैं। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह दबाव के बीच भी आसानी से बड़े शॉट लगा देते हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही है पर इसके बाद भी इसके अगले संस्करण में वह खेल नहीं पायेंगे। इस कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का एक नियम है।

बीसीसीआई ने साल 2016 में राहुल द्रविड़ के कोच रहते एक नियम बनाया था जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी एक ही बार अंडर-19 विश्कप खेल सकेगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि अधिक से अधिक उभरती हुई प्रतिभाओं को इसमें खेलने का अवसर मिल सके। इस फैसले का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर देना था। वैभव ने इस बार अंडर-19 विश्वकप में कप में कई रिकार्ड बनाये हैं जो उनके नाम वह पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रनों की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम की खिताब जीत आसान रही। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों खिताब हसिल किया है। साफ 2016 से पहले जब कोई पाबंदी नहीं थी तब कई भारतीय खिलाड़ियों को अंडर-19 विश्व कप में दो बार खेलने का मौका मिला था। इसमें रवींद्र जडेजा, सरफराज खान, आवेश खान, रिकी भुई और विजय ज़ोल जैसे खिलाड़ी हैं। इनमें से हालांकि जडेजा ही सीनियर स्तर पर अपने को साबित कर पाये। वहीं भारतीय टीम का रिकार्ड अंडर-19 टीम में बेहतरीन रहा है। भारत ने अब तक छह बार ये खिताब जीता है।

तिलक हालात के अनुसार खेलने वाले बल्लेबाज : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) • भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में तिलक वर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि तिलक एक समझदार क्रिकेटर हैं जो हालात के अनुसार खेलना जानते हैं। उन्हें पता है कि दबाव के बीच किस प्रकार से संयमित पारी खेली जाती है। गावस्कर को उम्मीद है कि 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच में भी वह इसी प्रकार खेलेंगे। गावस्कर ने दबाव में परिपक्वता दिखाने के लिए तिलक की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, तिलक एक बहुत ही होशियार क्रिकेटर हैं। वह न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी कौशल या अलग-अलग प्रकार के शॉट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि इसलिए भी कि कब, कैसे खेलना है। वह दूसरे ओवर में कठिन हालातों में बल्लेबाजी करने आए, जब टीम के मुख्य आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आउट हो गए थे। उस समय, तिलक जानते थे कि उन्हें जवाबी हमला करने की जरूरत है पर बिना बड़ा जोखिम उठाए। गावस्कर ने कहा, वह बहुत ज्यादा आक्रामक नहीं हो रहे थे, बल्कि सोच-समझकर खेल रहे थे। उन्होंने मिड-ऑन के ऊपर से एक चिप शॉट खेला क्योंकि उन्हें पता था कि फील्डर सर्कल के अंदर है। वह छक्का मारने की कोशिश नहीं कर रहे थे, सिर्फ चौका। तिलक उस तरह के खिलाड़ी हैं जो आपके साथ टिके रहेंगे।

इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती: जोया अफरोज

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री जोया आफरोज ने फिल्म गांधी टॉक्स की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के कम्युनल वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं।

केएल राहुल का शतक, मुंबई को हराकर कर्नाटक रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

मुंबई (एजेंसी) • कर्नाटक ने एमसीए क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कर्नाटक की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज केएल राहुल रहे। टीम को जीत के लिए चौथी पारी में 325 रन का लक्ष्य मिला था। 74वें ओवर में कर्नाटक ने छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। केएल राहुल ने 182 गेंद पर 130 रन की पारी खेली।

'दुश्मन देवता' में लगातार डांस करते हुए पैरों पड गए थे छाले: सोनम

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री सोनम खान ने 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'दुश्मन देवता' के लोकप्रिय गीत 'उरी उरी बाबा' से जुड़ा एक थोड़ा दर्द भरा अनुभव साझा किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान गर्म मौसम और कठिन परिस्थितियों ने उन्हें कैसी परेशानी दी थी। सोनम ने बताया कि गाने की शूटिंग बेहद गर्मी के बीच हुई थी और उन्हें पूरे सीक्वेंस में नंगे पैर डांस करना पड़ा। लगातार गर्म सतह पर डांस करने की वजह से उनके पैरों में दर्दनाक छाले पड़ गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग पूरी की। उन्होंने पोस्ट में मजाकिया अंदाज में लिखा, 'हां, ये मैं ही हूं... उरी उरी बाबा। इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले पड़ गए थे।'

उज्जैन संभाग

महाशिवरात्रि: 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए हाईटेक सुरक्षा, 1500 पुलिसकर्मी तैनात

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर उज्जैन पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की तैयारियां शुरू कर दी हैं। 15 और 16 फरवरी को मनाए जाने वाले इस महापर्व पर महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। इन तैयारियों को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम उज्जैन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित जिले के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मंदिर सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सहायता और वीआईपी आवाजाही के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

1500 बल की होगी तैनाती

महाशिवरात्रि के दौरान बाबा महाकाल मंदिर परिसर और शहर के प्रमुख मार्गों पर लगभग 1500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इनमें से 250 पुलिसकर्मी विशेष रूप से वीआईपी व्यवस्था संभालेंगे। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए करीब 150 महिला सुरक्षाकर्मी भी तैनात की जाएंगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 5 ड्रोन कैमरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली से भीड़ और गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी।

40 मिनट में होंगे दर्शन

प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को 40 मिनट के भीतर महाकाल के दर्शन कराए जा सकें। इसके लिए एक विशेष मार्ग प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे अव्यवस्था न हो और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू बनी रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर 300 मीटर पर मेडिकल हेल्थ पॉइंट और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष सहायता व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। शहर के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे और मार्गों पर व्यापक बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि यातायात को नियंत्रित किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विस्तृत यातायात योजना 13 फरवरी को सार्वजनिक की जाएगी, जिससे आमजन और श्रद्धालुओं को पहले से मार्गों की जानकारी मिल सके।

11 से 16 फरवरी तक महाकाल वन मेला,आयुष और जड़ी-बूटियों का होगा प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • 11 से 16 फरवरी तक प्रदेश स्तरीय महाकाल वन मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों, जड़ी-बूटियों और वन उत्पादों को एक मंच पर लाना है। यह मेला दशहरा मैदान पर आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। डोम और पवेलियन लगाए जा रहे हैं।

यह वन मेला प्रदेश में उपलब्ध जड़ी-बूटियों, आयुष आधारित उपचार पद्धतियों और पारंपरिक औषधीय ज्ञान को आमजन तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले भोपाल में कई वर्षों तक इस तरह के मेले का आयोजन होता रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अब उज्जैन जैसे धार्मिक और पौराणिक नगर में इसका आयोजन किया जा रहा है।

200 से अधिक स्टॉल्स लगेंगे

मेले में पूरे प्रदेश और देश से उत्पाद आएंगे। इसमें प्रदेश भर के वन धन केंद्र, स्वयं सहायता समूह और निजी स्टॉल्स शामिल होंगे। यहां आयुर्वेदिक, हर्बल उत्पाद, मिलेट्स आधारित खाद्य सामग्री, पारंपरिक खान-पान से जुड़े उत्पाद और वन उपज से बने सामान प्रदर्शित किए जाएंगे। असम सहित अन्य राज्यों की औषधीय वनस्पतियां भी मेले का हिस्सा होंगी।महाकाल वन मेले में 200 से अधिक स्टॉल्स लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 50 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सक निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर के माध्यम से लोगों को आयुर्वेद से जुड़े रोगों की जानकारी और उपचार प्रदान करेंगे।

खास फूड जोन भी तैयार होगा

मेले में एक विशेष फूड जोन भी तैयार किया जाएगा, जहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों के पारंपरिक व्यंजन उपलब्ध होंगे।साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए औषधीय पौधों, उनके गुणों और उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी।उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि यह प्रदेश स्तरीय महाकाल वन मेला केवल उत्पादों के प्रदर्शन का मंच नहीं होगा, बल्कि रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा।वन उपज आधारित उत्पादों के माध्यम से लोगों को नए अवसर मिलेंगे।

महाकाल में 'शिव विवाह' से पहले 'हल्दी खेला', महिलाएं नाच-गाकर रहीं

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा एक-दूसरे को हल्दी लगाकर नाच-गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मंदिर के पुजारियों ने इसे सनातन परंपरा के विपरीत बताते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। महाशिवरात्रि से पहले मनाए जा रहे महा शिवनवरात्रि के दौरान महिलाएं नाच-गा रही हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर भगवान महाकाल को दूल्हा बनाने से पहले शिवनवरात्रि के नौ दिनों तक हर दिन विशेष श्रृंगार किया जाता है। इस दौरान सुबह मंदिर परिसर में कोटेश्वर भगवान का पूजन-अर्चन होता है। पूजन के बाद रोजाना दर्शन के लिए आने वाली करीब 50 से 100 महिलाएं भगवान शिव के विवाह का उत्सव मनाती हैं। भजन मंडली के साथ नाच-गाना करते हुए एक-दूसरे को हल्दी लगाती हैं।

पुजारी बोले- ऐसी परंपरा एक तरह का मजाक- महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि शिव नवरात्रि में केवल पूजा, आराधना और संकल्प की परंपरा है। यह पंचमी से शुरू होता है। इसे भगवान के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। आजकल लोग इसे शिव विवाह के रूप में मानते हैं।

इसे मजाक के रूप में हल्दी लगाने और खेलने के रूप में ले लिया गया। जबकि शिव पुराण और अन्य शास्त्रों में शिवरात्रि पर शिव विवाह और इस प्रकार मनाने का जिक्र नहीं है। हल्दी खेलना सनातन परंपरा के विपरीत है। हल्दी लगाने की परंपरा भी घातक न हो जाए। इसलिए मंदिर समिति से इस पर समय रहते प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

मंदिर प्रशासन को भी मिली हल्दी खेलने की शिकायत- मंदिर प्रशासन को भी इस संबंध में शिकायतें मिली हैं कि मंदिर परिसर में परंपरा के विपरीत हल्दी खेलने का आयोजन किया जा रहा है। इसके बाद प्रशासक ने संकेत दिए हैं कि इस पर रोक लगाई जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही प्रशासक इस संबंध में आदेश जारी कर देंगे।

कोटेश्वर भगवान को उबटन अर्पित करने की परंपरा- दरअसल, मंदिर परिसर में कोटेश्वर भगवान को उबटन अर्पित करने की परंपरा है। नौ दिन तक भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया जाता है। महाशिवरात्रि पर भगवान को दूल्हे के रूप में सजाकर सेहरा अर्पित किया जाता है। यही वजह है कि श्रद्धालु इसे शिव विवाह के रूप में मनाने लगे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

बैंककर्मी ने गोलीमार कर की खुदकुशी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की स्कीम-74 में 51 वर्षीय हेमंत ब्रह्मवंशी ने लाइसेंसी बंदूक की गोली से खुद को उड़ा लिया। हेमंत के मकान पर बैंक आफ महाराष्ट्र का कर्जा था और बैंक व राजस्व अधिकारी सोमवार को मकान की कुर्की करने पहुंचे थे। जैसे ही अफसरों ने लिखा पढ़ी शुरु की हेमंत ने रूम में आकर गोली मार ली। घटना के बाद बैंक और राजस्व अधिकारी गायब हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विजय नगर टीआई सीके पटेल के अनुसार सोमवार शाम करीब 5 बजे की है। हेमंत ब्रह्मवंशी इंदौर प्रिमियर कारपेरटिव बैंक(आईपीसी) में मैनेजर रहा है। उसने स्कीम-74 को बंधक रख कर बैंक आफ महाराष्ट्र(जूनी इंदौर) से ऋण लिया था। किस्तें जमा न करने करने बैंक द्वारा कोर्ट से कुर्की का आदेश करवाया था। सोमवार को बैंक के कुमार गौतम तिलक राज ,मोनिक मिश्रा और पटवारी पूनम के साथ मकान सील करने पहुंचे थे। जैसे ही अफसरों ने लिखापढ़ी शुरु की हेमंत ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद बैंक और राजस्व अधिकारी गायब हो गए। सूचना मिलते ही एसीपी पराग सैनी और फोरेंसिक अफसर मौके पर पहुंचे तो पता चला बैंक और राजस्व अधिकारी तो गायब हो गए हैं।

घर बैठे खुद भी कर सकेंगे खुद की गणना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। करीब 15 साल बाद होने जा रही जनगणना पहले से ज्यादा आधुनिक और डिजिटल होगी। इस वर्ष मकान की गणना होगी और अगले साल आबादी की गणना की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से होगी और प्रगणक घर-घर जाकर ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी एकत्रित करेंगे। इसमें पहली बार आमजन भी घर बैठे ही ऑनलाइन स्वयं की गणना कर सकेंगे।

इंदौरवासी सड़क पर 'वीआईपी' पहचान के लिए 5 लाख रुपये तक की बोली लगा रहे हैं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अगर किसी वाहन की लाइसेंस प्लेट पर कोई ऐसा नंबर है जो इंदौरवासियों के लिए स्टेटस सिंबल का प्रतीक है, तो वह है 0001। 2025 में इस प्रतिष्ठित अंक के लिए होड़ पांच अलग-अलग मौकों पर एक हाई-स्टेक इवेंट में बदल गई, क्योंकि यह नंबर अलग-अलग सीरीज में नीलामी के लिए पेश किया गया था। बोली बेहद जोरदार थी। कुछ सीरीज में, नीलामी 1 लाख रुपये, 2.50 लाख रुपये, 2.96 लाख रुपये और 4.26 लाख रुपये पर समाप्त हुई। एक विशेष श्रृंखला में, बोली लगाने वालों ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया, जिससे एक प्लेट की कीमत रिकॉर्ड तोड़ 5.50 लाख रुपये तक पहुंच गई।

'यह सिर्फ 'नंबर वन' होने की बात नहीं है। यह मांग व्यक्तिगत कारणों से है,' आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा। '0786 और 0909 जैसे नंबर सड़क पर शुभ संकेत पाने वालों के लिए हमेशा से पसंदीदा रहे हैं। 111, 222 जैसी सममित संख्याएँ या 77 और 88 जैसी दो अंकों की संख्याएँ अपनी सुंदरता के कारण बहुत लोकप्रिय हैं,' शर्मा ने टीओआई को बताया। 'यह सिर्फ व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है; औद्योगिक दिग्गज और व्यावसायिक वाहन बेड़े भी

इसमें शामिल हो रहे हैं। कई कंपनियाँ अब यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक भुगतान करती हैं कि उनके पूरे बेड़े में अलग-अलग श्रृंखलाओं में एक ही नंबर हो, जिससे चलते-फिरते एक एकीकृत और पहचानने योग्य ब्रांड बन सके,' उन्होंने कहा।

यह चलन सिर्फ चार पहिया वाहनों तक ही सीमित नहीं है। इंदौर के बाइक चालक भी उतने ही उत्साहित हैं। 1,037 से अधिक दोपहिया वाहन नंबरों की नीलामी की गई, जिनकी शुरुआती कीमत मात्र 5,000 रुपये थी। हालांकि, इस श्रेणी में सबसे अधिक कीमत वाला नंबर 1111 रहा, जो 41,000 रुपये में बिका - जो कुछ सेकंड-हैंड स्कूटरों की कीमत से भी अधिक है। प्रतिष्ठा की इस चाहत ने इंदौर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के लिए भारी लाभ का स्रोत बना दिया, जिसने 2025 में वीआईपी और फैंसी पंजीकरण नंबरों के आवंटन से 11.40 करोड़ रुपये की चौंका देने वाली कमाई की। हालांकि बोली में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, आरटीओ ने प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखा। आधार मूल्य निर्धारित करके और ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से बाजार को अंतिम मूल्य तय करने की अनुमति देकर, विभाग ने एक साधारण पंजीकरण प्रक्रिया को राज्य के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत बना दिया। पसंदीदा नंबर की आधार कीमत सीरीज और नंबरों के आधार पर अलग-अलग होती है। दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहनों तक, पसंदीदा नंबर की आधार कीमत 2,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक है। शर्मा ने कहा, 'जब कई लोग सड़क पर एक ही नंबर प्लेट चाहते हैं, तो बोली प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि यह सबसे इच्छुक दावेदार को मिले और साथ ही सार्वजनिक राजस्व भी अधिकतम हो।'

शहर में 2025 में 20,239 वाहन मालिकों ने अपने मनचाहे नंबर प्लेट पाने के लिए अतिरिक्त पैसे खर्च किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है और यह साबित करता है कि इंदौर में विशिष्ट नंबर प्लेट की मांग लगातार बढ़ रही है।

किन्नर विवाद मामले में बड़ी कार्रवाई, पंढरीनाथ थाना प्रभारी अजय राजोरिया लाइन अटैच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● किन्नरों के बीच हुए विवाद मामले में अब पुलिस विभाग के अंदर सोमवार को कार्रवाई की गई। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में पंढरीनाथ थाना प्रभारी अजय राजोरिया को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लाइन अटैच कर दिया है। वहीं, जिन आरोपियों को जांच में कमजोर कार्रवाई के चलते जमानत मिल गई थी, उनकी जमानत निरस्त कराने को लेकर अब पुलिस कोर्ट में आवेदन लगाने की तैयारी कर रही है। पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में कुछ समय पहले किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद सामने आया था। एक पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने किन्नर सपना हाजी सहित अन्य लोगों के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, धमकी और अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाए गए थे कि पीड़ित पक्ष को डरा-धमकाकर रुपयों की मांग की जा रही थी और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। प्रकरण दर्ज होने के बाद मामले की जांच पंढरीनाथ थाना पुलिस द्वारा की जा रही थी। इसी दौरान आरोप लगे कि थाना प्रभारी द्वारा जांच में गंभीर लापरवाही बरती गई। इस मामले में पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद मजबूत केस डायरी तैयार नहीं की गई। इसका फायदा आरोपियों को मिला और कई आरोपित आसानी से जमानत करने में सफल हो गए।

एमवाय अस्पताल में डिजिटल पेमेंट की सुविधा शुरू, मरीजों को बड़ी राहत

ओपीडी-आईपीडी सहित 15 विभागों में क्यूआर कोड से होगा भुगतान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमवाय अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अब पर्चा बनवाने, ओपीडी-आईपीडी रजिस्ट्रेशन और विभिन्न जांचों के भुगतान के लिए खुले पैसे लेकर भटकना नहीं पड़ेगा। अस्पताल प्रशासन ने पूरे परिसर में ऑनलाइन पेमेंट सुविधा शुरू कर दी है। इसके तहत मरीज क्यूआर कोड स्कैन कर आसानी से डिजिटल भुगतान कर सकेंगे।

अस्पताल प्रशासन ने यह व्यवस्था ओपीडी, आईपीडी सहित 15 प्रमुख विभागों में लागू की है। मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल

परिसर में जगह-जगह क्यूआर कोड स्कैनर लगाए गए हैं, जिससे भुगतान प्रक्रिया सरल और तेज हो गई है।

जांच केंद्रों पर भी ऑनलाइन भुगतान- ओपीडी के साथ-साथ सभी जांच केंद्रों पर भी डिजिटल पेमेंट शुरू कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि इस सुविधा से मरीजों को काउंटर पर लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और समय की बचत होगी।

खुल्ले पैसे की परेशानी खत्म-पहले कई बार मरीजों के पास खुल्ले पैसे नहीं होते थे और काउंटर स्टॉफ के पास भी चिल्लर की कमी रहती थी। इससे भुगतान में देरी होती थी और मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ती थी। ऑनलाइन भुगतान शुरू होने से यह समस्या लगभग समाप्त हो गई है।

भीड़ कम होने की उम्मीद-एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि प्रतिदिन करीब पांच हजार ओपीडी रजिस्ट्रेशन होते हैं। सोमवार से बुधवार के बीच मरीजों की संख्या सबसे अधिक रहती है। डिजिटल पेमेंट से भुगतान प्रक्रिया तेज हुई है।

251 डॉक्टरेट उपाधियां

दीक्षांत समारोह में समय की कमी का सामना कर रहे डीएवीवी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रिकॉर्ड 251 पीएचडी शोधार्थियों को उपाधियाँ मिलने का इंतजार है, ऐसे में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को 17 फरवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह में इन उपाधियों को प्रदान करने के तरीके को लेकर समय की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

पदक वितरण के लिए पहले से ही समय निर्धारित होने के कारण, विश्वविद्यालय संभवतः 25-25 के समूहों में डॉक्टरेट उपाधियाँ प्रदान करेगा या सभी को एक साथ प्रदान करेगा। अंतिम प्रारूप पर निर्णय कुछ ही दिनों में होने की संभावना है।

लगभग 190 छात्रों को स्वर्ण और रजत सहित लगभग 213 पदक दिए जाएंगे। कई छात्रों को एक से अधिक पदक प्राप्त होंगे। अधिकारियों का अनुमान है कि प्रत्येक छात्र को औसतन 30 सेकंड का समय मिलेगा, जिसका अर्थ है कि केवल पदक वितरण में ही लगभग 1 घंटा 45 मिनट लग सकते हैं। यदि प्रत्येक पीएचडी छात्र को व्यक्तिगत रूप से बुलाया जाता, तो डॉक्टरेट सत्र में दो घंटे से अधिक का अतिरिक्त समय लग जाता, जिससे मूल प्रारूप अव्यावहारिक हो जाता।

डीएवीवी एक सीमित समय-सीमा के भीतर काम कर रहा है, क्योंकि समारोह लगभग 2.5 से 3 घंटे तक चलने की उम्मीद है। पुरस्कार वितरण के अलावा, कार्यक्रम में शैक्षणिक जुलूस, स्वागत समारोह, कुलपति और कुलाधिपति के संबोधन और विश्वविद्यालय का राष्ट्रगान शामिल है।

स्थिति को संभालने के लिए, विश्वविद्यालय 25-25 के बैच में पीएचडी शोधार्थियों को मंच पर आमंत्रित करने पर विचार कर रहा है। एक अन्य विकल्प सभी डॉक्टरेट डिग्री को एक साथ प्रदान करना है, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक संयुक्त तस्वीर ली जाएगी,' डीएवीवी के रजिस्ट्रार, प्रज्वल खरे ने कहा।

रालामंडल ब्रिज से मिली राहत या होगी नई चुनौती ?

तीन साल की देरी, 40 करोड़ की लागत और आधी शुरुआत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के यातायात दबाव को कम करने और बायपास को निर्बाध बनाने के उद्देश्य से बनाया गया रालामंडल ब्रिज तीन साल बाद ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है, लेकिन यह शुरुआत आधी-अधूरी तैयारियों के साथ हुई है। लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से बना 800 मीटर लंबा यह छह लेन ब्रिज तय समय से दो साल की देरी से तैयार हुआ। ब्रिज का निर्माण कार्य तीन साल पहले शुरू हुआ था और इसे एक वर्ष में पूरा किया जाना था। हालांकि, तकनीकी, प्रशासनिक और निर्माण संबंधी कारणों से परियोजना लगातार खिसकती जनदबाव के चलते ब्रिज को एक लेन के रही। अंततः बढ़ते ट्रैफिक दबाव और साथ आंशिक रूप से खोलना पड़ा।

यातायात को राहत, लेकिन पूरी नहीं-फिलहाल मांगलिया से तेजाजी नगर दिशा की लेन चालू होने से बायपास पर रालामंडल और तिल्लौर की ओर जाने वाले वाहनों को राहत मिलेगी। पहले छह लेन बायपास बनने के बाद इस दिशा में जाने के लिए वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी होती थी। ब्रिज पर डिवाइडर का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है।

शहर की ट्रैफिक प्लानिंग पर सवाल-इन्फ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़े प्रोजेक्ट को ट्रैफिक के लिए खोलने से पहले पूर्ण सुरक्षा ऑडिट, साइनिज, लाइटिंग और डिवाइडर जैसे आवश्यक कार्यों का पूरा होना अनिवार्य है। आधे-अधूरे ब्रिज को खोलना भविष्य में दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। प्रशासन का दावा है कि शेष कार्य जल्द पूरा कर दूसरी लेन भी ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी। हालांकि सवाल यह है कि क्या इंदौर के बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं अब भी देरी और अस्थायी समाधानों के भरोसे ही आगे बढ़ेंगी?

संकल्प से समाधान अभियान : अधिकारियों को त्वरित समस्या के निराकरण के निर्देश दिए

महापौर ने शिविर में लोगों से किया सीधा संवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शहर के प्रत्येक वार्ड में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार झोन क्रमांक 19 के अंतर्गत स्कीम नंबर 140 स्थित जोनल कार्यालय परिसर में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा उपस्थित नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गई तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विधायक महेंद्र हार्डिया, पार्षद प्रणव मंडल,

राजीव जैन, महेश बसवाल, जोनल अधिकारी धीरेंद्र बायस सहित नगर निगम के अधिकारी- कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान महापौर श्री भार्गव द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पीएम स्वनिधि योजना एवं घरेलू कामकाजी महिला योजना के पात्र हितग्राहियों से चर्चा की गई और हितग्राही से पूछा गया कि आप किस व्यापार और रोजगार के लिए पीएम स्व निधी का लोन ले रहे हैं तथा योजना से प्राप्त लोन का ठीक से उपयोग करने के संबंध में भी चर्चा की गई।

शिविर गरीबों के लाभ के लिए-महापौर ने कहा कि शासन की 105 से अधिक जन कल्याणकारी योजना का लाभार्थियों को मिले जो योजनाएं गरीबों के लिए है, महिलाओं के सम्मान के लिए है। युवाओं के स्वाभिमान के लिए है और वृद्धों की चिंता करने के लिए तो ऐसी सब योजनाओं का लाभ और इसके अलावा नगर निगम के जो काम है उन समस्याओं को लोगों के घर पर जाकर हल करने का अभियान यह संकल्प से समाधान का अभियान है और इस अभियान को सुचारू रूप से संचालित किया गया। इसी उद्देश्य से संपूर्ण शहर में वार्डवार संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

परेशानी | परीक्षा शहर के साथ ही एडमिट कार्ड जारी की तारीख घोषित नहीं

आधी अधूरी तैयारी के साथ जारी किया नीट यूजी का शेड्यूल करेगा छात्रों की फजीयत

- इस बार परीक्षा में फर्जीवाड़े को रोकने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर
- आधार आधारित ईकेवायसी, लाइव फोटो कैप्चर और मल्टी लेवल वेरिफिकेशन जैसे नियम पहली बार लागू किए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एनटीए ने नीट यूजी-2026 का शेड्यूल भले ही जारी कर दिया है, लेकिन उसमें गत वर्ष के मुकाबले बहुत कुछ अपडेट करने की जरूरत है। सूत्रों की माने तो एनटीए की ओर से नीट यूजी 2026 का शेड्यूल आधी-अधूरी तैयारी के साथ जारी किया गया है। पिछले साल 2025 में जहां शेड्यूल के साथ ही परीक्षा शहर घोषित किए जाने की सूचना भी थी साथ ही एडमिट कार्ड और रिजल्ट जारी करने की तारीख भी घोषित कर दी गई थी, लेकिन इस वर्ष ऐसा कुछ देखने को नहीं मिल रहा।

टाइ-ब्रेकिंग नियमों में कोई परिवर्तन नहीं

नीट यूजी में ऑनलाइन आवेदन शुल्क, परीक्षा पैटर्न मार्किंग स्कीम, क्वालिफाइड क्राइटेरिया और टाइ-ब्रेकिंग नियमों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनटीए की ओर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। जो 8 मार्च तक जारी रहेगी। यह सूचना नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर नोटिफिकेशन के तहत जारी की गई है। वर्तमान में इंदौर सहित देशभर के 824 मेडिकल संस्थानों में 1 लाख 29 हजार 603 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं, जो वर्ष 2025 के मुकाबले इस वर्ष एमबीबीएस-सीटों की संख्या में लगभग 15 हजार की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। बढ़ी हुई एमबीबीएस-सीटों की संख्या से नीट यूजी 2025 में शामिल होने वाले छात्र उत्साहित है।

ईकेवायसी, लाइव फोटो कैप्चर,- मल्टी लेवल वेरिफिकेशन पहली बार: एनटीए ने परीक्षा में फर्जीवाड़े को रोकने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए आधार आधारित ईकेवायसी, लाइव फोटो कैप्चर और मल्टी लेवल वेरिफिकेशन जैसे नियम भी पहली बार लागू किए गए हैं। एनटीए ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नए नियमों का मकसद परीक्षा प्रणाली को व्यवस्थित रखना है। दरअसल पिछले कई वर्षों में डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन, पहचान से जुड़ी गड़बड़ी और नकल जैसी शिकायतें सामने आई। इसी बात को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सख्त किया गया है, जिससे हर छात्र की पहचान सही तरीके से वेरिफाइ हो सके।

फोटो मेल नहीं करने पर यह करें

छात्र को फॉर्म भरते समय लाइव फोटो कैप्चर करना है। यह फोटो रियल टाइम में लेना है, जिसमें छात्र का चेहरा फ्रेम के कम से कम 80 प्रतिशत हिस्से में होना चाहिए। फोटो लेते समय कैप, चश्मा न पहनें, ताकि फोटो को आधार डेटाबेस में मौजूद फोटो का मिलान सही तरीके से हो सके। यदि छात्र के पास वेबकैम नहीं है तो क्यूआर कोड स्कैन कर मोबाइल कैमरे से भी फोटो अपलोड की कर सकते हैं। यह लाइव फोटो सीधे आधार डेटाबेस में मौजूद फोटो से मिलाई जाएगी। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि कुछ मामलों में, अगर एप्लीकेशन प्रोसेस के दौरान छात्र की ओर से ली गई लाइव फोटो यूआईडीएआई के पास उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार फोटो से मेल नहीं खाती है, या फिर जो छात्र आधार के अलावा पहचान वेरिफिकेशन का दूसरा तरीका इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें एक साइन किया हुआ और अटेस्टेड सर्टिफिकेट अपलोड करके अपनी पहचान वेरिफाई करना रहेगी, साथ ही एक लेटेस्ट फोटो भी अपलोड करना रहेगा जो उनके स्कूल कॉलेज के प्राचार्य या हेडमास्टर की ओर से ठीक से सर्टिफाइड हो/या तहसीलदार, रेवेन्यू ऑफिसर सहित अन्य से अटेस्टेड हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र) - 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।